नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में पंचलाइट की नाट्य प्रस्तुति

वर्धा, 18 नवंबर 2019: बिते जमाने के पेट्रोमैक्स बत्ती पर आधारित उत्तरी भारत के ग्रामीण इलाकों के जीवन को प्रकाशित करने वाली कहानी पंचलाइट की नाट्य प्रस्तुति महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने की। गाँव में रात को रोशनी के लिए डिबरी जलायी जाती थी तब गांव के सरदार पंचलाइट यानी

पेट्रोमैक्स खरीद लाता है, हर्षोल्लास के साथ गाँव वाले उसका स्वागत करतें हैं, पेट्रोमैक्स की रोशनी के साथ जीवन की बुझी हुई आशा को प्रकाशमान करने की सीख देता है। पेट्रोमैक्स प्रकाश की दुनिया में विशेष महत्व रखता है। पंचलाइट की रोचक कहानी को नाट्य रूप में प्रदर्शनकरी कला फ़िल्म एवं नाटक विभाग के बी.वोक प्रथम छमाही के विद्यार्थियों ने गालिब सभागार में प्रस्तुत किया। 'पंचलाइट' सुविख्यात कहानीकार फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी है।

विश्वविद्यालय में नाटक का अध्ययन करने आए विद्यार्थियों को नाटक की प्रस्तुति देनी होती है। नए और प्रथम छमाही के विद्यार्थियों की प्रस्तुति को देखकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। नाटक का निर्माण प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश भारती ने, मार्गदर्शन साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर ने किया। परीक्षक के रूप में विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े उपस्थित थे। कहानी का नाट्य रूपान्तरण एवं निर्देशन डॉ. सुरभि विप्लव ने किया।

नाटक में विद्यार्थी विक्की कुमार, अनुराग कुमार, श्वेता, रमेश कुमार रामेश्वर, अश्वजित भित्रे, हिमांशु कुमार, कपिल बहादुरे, प्रणय रोड़े, चेतन राउत, अनिकेत पेंदाम, नीरज आगलावे, शिवम यादव ने अभिनय किया। दृश्य विन्यास, वस्त्र

विन्यास का संयोजन विद्यार्थियों ने ही किया॥ संगीत संयोजन राहुल बरनवा, प्रकाश संयोजन शिव कुमार, रूप सज्जा

सुप्रिया भंडारे तथा विशेष सहयोग विष्णु कुमार एवं नितीश प्रियदर्शी का था।